16. मरता क्या न करता

केरल के एक गाँव में विष्णु पोट्टि रहते थे। विष्णु पोट्टि थे तो बहुत गरीब लेकिन उन्हें दानी कहलाने का शौक था। वे रोज़ दो-एक लोगों को अपने घर खाना खिलाने ले आते। चाहे घर में खाने को पर्याप्त हो या नहीं; दूसरों को खाना खिलाना वे अपना धर्म समझते थे। उनकी पत्नी लक्ष्मी को उनकी यह आदत पसंद नहीं थी। पर वह किसी न किसी तरह घर चलाया करती थी। पड़ोसियों से कभी चावल उधार लाती तो कभी सब्ज़ी। एक दिन उसने सोचा कि इस तरह कब तक काम चलेगा? पड़ोसी भी उससे नाराज़ होते। उन्हें विश्वास ही नहीं होता था कि वह सचमुच इतनी गरीब है, क्योंकि वे रोज़ मेहमानों को आते और खाते देखते थे। बेचारी की मदद करनेवाला कोई नहीं था। कितनी ही बार तो वह कई-कई दिनों तक भूखी रह जाती। जब उससे और नहीं सहा गया तो उसने पति से बात करने का फैसला किया। उसने

विष्णु से कहा, "आप हर रोज़ किसी न किसी को ले आते हैं। अपने भोजन में से दूसरों को खिलाना अच्छी बात है। पर आपने कभी यह भी पूछा कि खाना पूरा भी पड़ेगा या नहीं? हम ठहरे गरीब! जो रुखा-सूखा जुटता भी है, वह हम दोनों के पेट भरने को काफ़ी नहीं होता। फिर दूसरों के लिए रोज़-रोज़ कहाँ से आएगा? मैं अपना हिस्सा उनको खिला देती हूँ, और खुद भूखी रह जाती हूँ। मुझसे अब और नहीं सहा जाता। अब लोगों को घर बुलाना बंद कर दें।"

लेकिन विष्णु पर कोई असर नहीं हुआ। अगले दिन रोज़ की तरह वे दोपहर को दो अजनबियों के साथ भोजन के लिए घर पहुँचे। लक्ष्मी ने उन्हें दूर से आते देखा तो घबरा गई। उसने सोचा कि आज फिर वह भूखी रह जाएगी। लेकिन अचानक उसे एक उपाय सूझा।

विष्णु ने मेहमानों से हाथ जोड़कर कहा, "आप बैठिए, मैं अभी मुँह-हाथ धोकर आता हूँ।"

उनके जाने के बाद लक्ष्मी धान कूटने का मूसल उठा लाई और उसे दीवार के सहारे टिका दिया। उसके बाद उसने दीप जलाकर मूसल के आगे रख दिया। मूसल के चारों ओर दो-चार फूल भी डाल दिए और उसके सामने हाथ जोड़कर बैठ गई। वह ऐसी जगह बैठी जहाँ से अतिथि उसे देख सकें। अतिथियों ने उसे देखा तो हैरान रह गए। मूसल की पूजा करते उन्होंने आज तक किसी को नहीं देखा था।

दोनों आकर लक्ष्मी के पास खड़े हो गए। वह ध्यानमग्न बैठी थी। उसने अपनी आँखें खोलीं और सिर घुमाया तो उन दोनों को खड़ा पाया। एक ने पूछा, "आप मूसल की पूजा क्यों कर रही हैं?"

लक्ष्मी ने आँखों में आँसू भरकर कहा, "मैं आपको कैसे बताऊँ? लेकिन आपको तो बताना ही पड़ेगा, क्योंकि इसका संबंध भी आप ही से है।"

अब तो वे दोनों भेद जानने के लिए लक्ष्मी के पीछे पड़ गए।

लक्ष्मी ने कहा, "पहले आप वादा कीजिए कि मेरे पति को कुछ नहीं बताएँगे।"

उन दोनों ने वायदा किया।

लक्ष्मी ने कहा, "मेरे पति दानी आदमी हैं। वे मेहमानों को घर बुलाकर खाना खिलाते हैं और खिलाने के बाद उन्हें इसी मूसल से खूब पीटते हैं। कहते हैं, यही उनका धर्म है। मैं खाना तो बनाती हूँ। लेकिन मारने-पीटने से मेरा कोई संबंध नहीं। मैं मूसल की पूजा इसलिए कर रही हूँ कि मुझे पाप न लगे।"

अब तो अतिथि बहुत चकराए। उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा और इशारों ही इशारों में कहा कि यहाँ से चुपचाप खिसक जाने में ही भलाई है। दोनों पीछे के दरवाज़े से निकल भागे। तभी विष्णु पोट्टि अंदर आया। उसने लक्ष्मी से पूछा कि मेहमान कहाँ चले गए? लक्ष्मी ने दुख से कहा, "वे मुझसे यह मूसल माँग रहे थे। मैंने कहा, "मेरे घर में एक ही मूसल है, मैं नहीं दूँगी। बस, वे नाराज़ होकर चले गए।"

पोट्टि गुस्से से चिल्लाया, "तुमने मेरे मेहमानों का अपमान कर दिया। लाओ मूसल, मैं उन्हें दे आता हूँ।"

पत्नी के हाथ से मूसल छीनकर वह अतिथियों के पीछे दौड़े। दोनों काफ़ी आगे निकल गए थे। उन्होंने विष्णु पोट्टि को गुस्से में मूसल उठाए पीछे आते देखा तो बोले, "देखो, वह आ रहा है हमें मारने।" दोनों अपनी जान बचाकर भागे। विष्णु पोट्टि उन्हें पकड़ नहीं सका तो लौट गया।

गाँववालों ने उसे मेहमानों के पीछे मूसल उठाए भागते देखा तो चारों ओर यह बात फैला दी कि विष्णु पोट्टि अपने मेहमानों को घर ले जाकर उन्हें मूसल से मारता है। उसके बाद कोई भी खाने के लिए उसके घर जाने को तैयार न होता।

विष्णु पोट्टि को पता नहीं चला कि यह लक्ष्मी की चाल थी।

लक्ष्मी को भी फिर कभी भूखा नहीं रहना पड़ा।

—के॰ शिव कुमार

14 (नि:शुल्क)

लाकर खाना
हते हैं, यही
संबंध नहीं।

ौर इशारों ही
के दरवाज़े
मेहमान कहाँ
कहा, "मेरे
"
ाया, "तुमने
दिया। लाओ

ाल छीनकर
दोनों काफ़ी
विष्णु पोट्टि
आते देखा
रहा है हमें
वाकर भागे।
हीं मका तो

ारों ओर वह
ल से मारता
ता।

शिव कुमार

अभ्यास

लोक कथाओं की दुनिया

'मरता क्या न करता' शीर्षक कहानी केरल की लोक कथा है। लोक कथाएँ सामान्य जीवन में कही गई या प्रचलित कहानियाँ होती हैं।

आप बिहार की लोककथाएँ 'टिपटिपवा' और 'उपकार का बदला' पढ़ चुके हैं।

1. तीनों लोककथाओं में से आपको कौन-सी लोककथा सबसे ज़्यादा पसंद आई और क्यों?
2. तीनों लोक कथाओं में से एक-एक घटना के बारे में लिखिए जो आपको बहुत मज़ेदार लगी हो।

मज़ेदार घटना

टिपटिपवा	उपकार का बदला	मरता क्या न करता

कथा में से

1. लक्ष्मी को विष्णु पोट्टि की कौन-सी आदत पसंद नहीं थी?
2. लक्ष्मी के पड़ोसी उससे क्यों नाराज़ रहते थे?
3. लक्ष्मी ने विष्णु पोट्टि को क्या समझाया?
4. दोपहर को दो अजनबियों को देख लक्ष्मी ने क्या किया?
5. लक्ष्मी ने अतिथियों से ऐसा क्या कहा कि वे भाग खड़े हुए?

सोच समझकर

1. सवालों को पढ़िए और सोच समझकर सही जवाब पर ✓ लगाइए –

(क) लक्ष्मी दो अजनबियों को देख घबरा गई, क्योंकि–

- वह उन्हें नहीं जानती थी। ☐
- वे खतरनाक थे। ☐
- उसने सोचा कि आज फिर उन्हें खाना खिलाना पड़ेगा। ☐
- उसके घर अनाज का एक दाना न था। ☐

(ख) विष्णु पोट्टि ने ऐसा क्यों कहा कि उसके मेहमानों का अपमान हुआ है।

- लक्ष्मी ने उन्हें मूसल नहीं दिया। ☐
- मेहमान बिना खाए चले गए । ☐
- लक्ष्मी मेहमानों पर नाराज हो गई थीं। ☐
- मेहमान की खातिरदारी अच्छी तरह नहीं हुई थी। ☐

(ग) लक्ष्मी को फिर कभी भूखा नहीं रहना पड़ा, क्योंकि -

- गाँव वाले जान गए थे कि लक्ष्मी गरीब है। ☐
- यह खबर फैल गई थी कि विष्णु पोट्टि मेहमानों को मूसल से मारता है। ☐
- लक्ष्मी के घर अब अनाज की कमी नहीं थी। ☐
- लक्ष्मी ने अतिथियों को भगाना शुरू कर दिया था। ☐

(घ) घर चलाने का मतलब है -

- घर बनाना ☐
- घर की सफ़ाई करना ☐
- रोटी, कपड़ा और मकान का उचित प्रबंध करना ☐
- घर को सजाना ☐

2. अगर आप लक्ष्मी की जगह होते तो क्या उपाय करते?
3. आप अपने अतिथियों के स्वागत में अपने माता-पिता की मदद कैसे करते हैं?
4. दानी बनने के लिए विष्णु पोट्टि क्या करता था? क्या उसका यह तरीका ठीक था? कारण बताइए।

दाल-भात में मूसल

'अरे जाओ, अपना काम करो। क्यों दाल-भात में मूसल बन रहे हो?' इस वाक्य में दाल-भात में मूसल बनना एक मुहावरा है जिसका अर्थ है-बिना मतलब दूसरों के कामों या बातों में दखल देना।

मूसल की तरह रसोईघर से जुड़ी ऐसी कई चीजें हैं जिनसे मुहावरे / लोकोक्तियाँ बनी हैं।

जैसे –

- थाली का बैंगन
- बिन पेंदे का लोटा
- जले पर नमक छिड़कना
- पाँचों अँगुलियाँ घी में होना
- आटे–दाल का भाव मालूम होना
- जब ओखली में सिर दिया तो मूसल से क्या डरना

इन मुहावरों एवं लोकोक्तियों का प्रयोग वाक्यों में करते हुए अर्थ समझाइए।

2. मूसल का प्रयोग धान कूटने के लिए किया जाता है। बताइए, इन कामों के लिए किस चीज़ का प्रयोग किया जाता है –

- चारा काटने के लिए ....
- खेत में बीज बोने के बाद ज़मीन समतल करने के लिए ....
- घास काटने के लिए ....
- सुपारी काटने के लिए ....
- पानी उलीचने के लिए ....

आदतों की दुनिया

1. विष्णु पोद्दार की यह आदत थी कि वह रोज़ दो–एक लोगों को अपने घर खाना खिलाने ले आते थे।

किन्हीं तीन व्यक्तियों के नाम, आदत लिखकर बताएँ कि वह आदत आपको पसंद है या नहीं –

व्यक्ति का नाम	आदत	पसंद है/नहीं है

2. आपकी भी कुछ आदतें होंगी। अपनी आदतों पर ✓ लगाइए –

- हाथ धोकर खाना खाना ☐
- नहाते समय गाना गाना ☐
- बस में दौड़ते हुए चढ़ना ☐
- देर रात तक जागना ☐
- सुबह उठने में आना-कानी करना ☐
- नाक में अँगुली डालना ☐
- अँगूठा चूसना ☐
- खेलने से पहले पढ़ाई करना ☐
- रास्ते में पड़ी हुई चीज़ पर ठोकर मारना ☐
- धूल उड़ाना ☐
- फलों को धोकर खाना ☐
- पेड़ों की पत्तियाँ और फूल तोड़ना ☐

3. आप ऊपर की किन आदतों को अच्छा और किन आदतों को खराब मानते हैं? क्यों?

भाषा के रंग

1. **नीचे दिए गए शब्दों को बोल-बोलकर पढ़िए और सही शब्द से वाक्य पूरे कीजिए –**

विष्णु पोट्टि, छुट्टी, लिट्टी, इकट्ठा, चिट्ठी, लट्ठ, गड्ढा, गट्ठर

- भोला ने अपना ---------- उठाया।
- स्कूल की ---------- हो गई।
- आगे एक गहरा ---------- है।
- ---------- को दानी कहलाने का शौक था।
- लक्ष्मी ने ---------- -चोखा बनाना सीखा।
- डाकिया ---------- लाया था।
- उसने घास का ---------- उठाया।
- सभी लोग गाँधी मैदान में ---------- हो गए।

2. **वाक्य में मोटे शब्दों की जगह ऐसे शब्द का प्रयोग करके वाक्य को दुबारा लिखिए जिससे अर्थ न बदले –**

(i) दोपहर को दो **अजनबी** आए।

(ii) बस वे **नाराज़** होकर चले गए।

(iii) वह ऐसी जगह बैठ गई जहाँ से **अतिथि** उसे देख सकें।

(iv) अब तो अतिथि बहुत **चकराए**।

(v) इसका **संबंध** भी आप ही से है।

---

3. **नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए–**

दोपहर, तिराहा, चारपाई, चौगुना, चौराहा

क्या आपको इन शब्दों में कोई खास बात नज़र आती है? इन सभी शब्दों का पहला अक्षर संख्या की ओर संकेत करता है। यानी शब्द संख्यावाची है। आप भी ऐसे कोई दो नए शब्द लिखिए और इन शब्दों में छिपी संख्या बताइए –

- दोपहर, दोबारा, दोपहिया
- तिराहा, ---------, ---------
- चौराहा, ---------, ---------
- चारपाई, ---------, ---------
- चौगुना, ---------, ---------
- छमाही, ---------, ---------

आपके सवाल

नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़िए और कोई पाँच सवाल बनाइए–

विष्णु पोट्टि गुस्से से चिल्लाया, "तुमने मेरे मेहमानों का अपमान कर दिया। लाओ गूसल, मैं उन्हें दे आता हूँ" पत्नी के हाथ से गूसल छीनकर वह

अतिथियों के पीछे दौड़े। दोनों काफ़ी आगे निकल गए थे। उन्होंने विष्णु पोट्टि को गुस्से में मूसल उठाए पीछे आते देखा तो बोले, "देखो, वह आ रहा है हमें मारने!" दोनों अपनी जान बचाकर भागे।

सवाल

1. ----------
2. ----------
3. ----------
4. ----------
5. ----------

कुछ करने के लिए

1. 'गरता क्या न करता' शीर्षक कहानी की जो घटना आपको सबसे गज़ेदार लगी हो, उसका एक चित्र बनाइए।

2. इस कहानी का मंचन कीजिए।
3. लक्ष्मी की चतुराई के बारे में बताते हुए अपनी मौसी जी को पत्र लिखिए।

14 (नि:शुल्क)

विष्णु पोट्टि
ा रहा है हमें

ी गज़ेदार

लिखिए।

4. आप जानते हैं कि 'मरता क्या न करता' केरल की लोककथा है। केरल राज्य भारत के दक्षिण में है। नीचे दिए गए मानचित्र में 'केरल' राज्य को मनपसंद रंग से भरिए और अपने शिक्षक या किसी अन्य व्यक्ति की सहायता से केरल के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए तालिका में लिखिए–

केरल के बारे में	
राजधानी	----------------------------
भाषा	----------------------------
खास व्यंजन	----------------------------
खास फसल	----------------------------
खास पेड़-पौधे	----------------------------
खास दर्शनीय स्थल	----------------------------